# माध्यमिक तथा उच्च माध्यमिक स्तर के छात्र–छात्रों की सामाजिक परिपक्वता एवं आत्मविश्वास का उनकी शैक्षिक निश्पत्ति से सम्बन्ध का एक अध्ययन

**संध्या रानी**
एम०ए० (शिक्षा शास्त्र), बी० एड०
देहरादून

## *सार*

*यह वर्तमान अध्ययन माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विदयालय के छात्रो की सामाजिक परिपक्वता आत्मविश्वास और उनकी भौक्षिक निश्पत्ति का अध्ययन करने के लिए तैयार किया गया है। देहरादून जिले के विभिन्न विद्यालयों में सत्र 2018–19 में अध्ययनरत कक्षा 9-12 के छात्र–छात्राओं को न्यादर्श रूप में चयनित किया गया है। आंकडो के संग्रह के लिए अनुसंधानकर्ती ने "माध्यमिक तथा उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की सामाजिक परिपक्वता चर का मापन करने के लिये* ***डां0 आर0पी0 श्रीवास्तव*** *द्वारा निर्मित व मानकीकृत (Social Maturity Scale SMS) आत्मविश्वास चर के सापन के लिये* ***डॉ0 रेखा गुप्ता*** *द्वारा निर्मित व मानकीकृत (Agnihotris Self Confidence Inventory (ASCI) शैक्षिक निश्पत्ति हेतु माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों (कक्षा 9–12) के वार्शिक परीक्षा के प्राप्तांकों को समक के रूप में प्रयुक्त किया गया। एकत्र किए गए डेटा का टी-टेस्ट की मदद इसे विश्लेशण किया गया हैं।*

**मुख्य बिंदु-** सामाजिक परिपक्वता, आत्मविश्वास, शैक्षिक निंश्पत्ति

## प्रस्तावना

विकास एक बहुमुखी प्रक्रिया है। विकास के क्रम में बालक का बौद्धिक पक्ष ही नही शरीरिक, मानसिक, संवेगात्मक तथा सामाजिक पक्ष भी महत्वपूर्ण है। समाजिकता व्यक्ति के व्यवहार को सकरात्मक एवं नकारात्मक स्वीकृत के साथ अदल–बदल कर प्रस्तुत करने की प्रक्रिया है। जो कुछ चीजों को स्वीकृत एवं कुछ अन्य चीजों की अस्वीकृत को आगे ले जाती है। **हरलॉक** (Hurlok) के मतानुसार ''सामाजिक उन्नति का तात्पर्य सामाजिक सम्बन्धों में परिपक्वता का प्राप्त करना है। जिसका अर्थ समूह के आर्दशों नैतिकता एवं परम्पराओं के अनुकूल बनाने की प्रक्रिया को सीखना है। और एकता के विचार अन्त संचार और सहयोग को मन में रखना है। यह बर्ताव के नये तरीके की उन्नति रूचि में बदलाव और नये मित्रों के चुनाव को शमिल करता है। सामाजिक व्यक्ति वह है जो न केवल लोगों के साथ रहता है बल्कि उनके साथ कार्य करना चाहता है। बसवन्ना (Basavanna-1975) के भाब्दों में ''साधारण शब्दों में आत्म वि श्वास व्यक्ति की रूकावट को वश में करने की स्थिति में प्रभावकारी रूप से कार्य करने की समझ की योग्यता और चीजों को सही ढंग से आगे बढ़ाने के साथ सम्बन्धित है एक आत्मविश्वासी व्यक्ति अपने आपको सामाजिक रूप से सक्षम भावनात्मक रूप से प्रौढ़ बौद्धिक रूप से पर्याप्त सफल, संतुश्ट निर्णायक, आशावादी, स्वतंत्र आत्मविश्वासी स्वयं पर विश्वास रखने वाला आगे बढ़ने वाला, किसी बात को जोर देकर कहने वाला और नेतृत्व के गुण रखने वाला समझता है।'' आत्मविश्वास एक निर्णय है जो हमारे विचार का परिणाम है किसी भी और निर्णय की तरह यह सही या गलत हो सकता है जब हम किसी प्रकार निर्णय लेते है,,

## सम्बन्धित साहित्य

**डा0 रोहतस कुमार वर्मा और सरोज कुमारी 2016** यह पाया गया कि आत्मविश्वास और प्राथमिक स्कूल के छात्रों की अकादमिक उपलब्धि के बीच महत्वपूर्ण संबंध मौजूद है। यह भेद पाया गया कि उच्च और कम आत्मविश्वास के साथ प्राथमिक स्कूल के छात्रों की अकादमिक उपलब्धि में अंतर मौजूद है। इसलिए शिक्षकों को अपने आत्मविश्वास और अकादमिक उपलब्धि के प्र्याप्त विकास के लिए कक्षा में छात्रों को अनुकूल वातावरण प्रदान करना चाहिए। एक मित्र और मार्गद ाक के रूप में कार्य करके शिक्षक छात्रों को स्वस्थ आत्मविश्वास विकसित करने में मदद कर सकता है। छात्रों को मार्गदर्शन सेवाएं प्रदान की जानी चाहिए ताकि वे अपनी प्रतिभा काकि वे अपनी प्रतिभा का उपयोग करने के लिए अपना आत्मविश्वास विकसित कर सकें **डॉ बलवीर सिहं और महिपाल (2015)** वर्तमान अध्ययन के बीच के संबंधो की पहचान और खोज करना है।माध्यमिक विदयालय के छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि और अध्ययन की आदतें। यह देखा गया है कि सिन छात्रों की अध्ययन की आदतें बेहतर होती हैं। उनके पास बेहतर शैक्षणिक उपलब्धि होती है। **डॉ सुजित बोरधन(2015)** सामाजिक परिपक्वता किसी दिए गए चर में हाई स्कूल के छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि में सबसे ज्यादा योगदान देती है। इसके अलावा कुल मिलान सामाजिक परिपक्वता के चर के लिए जिम्मेदार होता है। जब लड़के कुल नमूना विज्ञापन करने वाली लड़कियों की तुलना में कम हैं। तब सामाजिक परिपक्वता और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच सहसंबंध के आशिक गुणांक के कम मूल्य सामसजिक परिपक्वता और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच कमजोरी को दर्शाते है। जो लड़को और कुल नमूने की तुलना में लड़कियों के मामलें में अधिक चिहिनत है। लड़के लड़कियों के साथ-साथ ग्रामीण और शहरी हाई स्कूल के छात्रों में उनकी सामाजिक परिपक्वता में ज्यादा अंतर नही होता है। **शिखा धाल और प्रवीन ठकुराल (2009)** ने अपने एक अध्ययन में निश्कर्श निकाला कि माध्यमिक स्कूल के विद्यार्थियों एवं बालकों की बौद्धिक क्षमता एवं आत्मविश्वास के लिये विशेश सकारात्मक सम्बन्ध होता है, जबकि बालिकाओं के लिये ऐसा कोई सम्बन्ध नहीं होता। माध्यमिक स्कूल के विद्यार्थियों या बालक और बालिकाओं को अलग–अलग देखें तो भी यह देखा गया कि बौद्धिक क्षमता विद्यार्थियों की शैक्षिक प्राप्ति के साथ महत्वपूर्ण रूप से सम्बन्धित है।

## अध्ययन के उद्देश्य

- माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों का वर्ग के आधार पर सामाजिक परिपक्वता का उनकी शैक्षिक निश्पत्ति से सम्बन्ध को ज्ञात करना।
- माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास का उनके क्षेत्र से सम्बन्ध को ज्ञात करना।
- माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की सामाजिक परिपक्वता आत्मविश्वास व शैक्षिक निश्पत्ति में सम्बन्ध ज्ञात करना।

## अध्ययन की परिकल्पनायें

1. माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्तर के छात्र–छात्राओं के आत्मविश्वास में छेत्रीयता के आधार पर सार्थक अन्तर नही है।

2.माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्तर के छात्र–छात्राओं की सामाजिक परिपक्वता में वर्ग के आधार पर सार्थक अन्तर नही है।

## जनसंख्या एवं नयादर्श

जनसंख्या का तात्पर्य सम्पूर्ण इकाइयों के निरीक्षण से होता है। इसमें कुछ इकाइयों का चयन करके न्यादर्श बनाया जाता है, न्यादर्श की इकाइयों के निरीक्षण तथा मापन से जनसंख्या की विशेषताओं के सम्बन्ध में अनुमान लगाया जाता है।

**"माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत कक्षा 9 वी इसे 12 वी तक के कलावर्ग तथा विज्ञान वर्ग के 449 छात्र–छात्राओं को न्यादर्श हेतु चुना गया है।"**

## प्रयुक्त उपकरण

1.सामाजिक परिपक्वता चर का मापन करने के लिये **डां0 आर0पी0 श्रीवास्तव** द्वारा निर्मित व मानकीकृत **Social Maturity Scale (SMS)** का प्रयोग किया गया है। इसमे मनुश्य के व्यक्तित्व से जुड़े सामाजिक विचार के प्रारम्भिक पैमाने के पहले प्रारूप के 23 क्षेत्र लिये गये है।

2.आत्मवि वास चर के मापन के लिये **डॉ0 रेखा गुप्ता** द्वारा निर्मित व मानकीकृत **Agnihotris Self Confidence Inventory (ASCI)** का प्रयोग किया गया है।

3-शैक्षिक निश्पत्ति हेतु माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों (कक्षा 9–12) के वार्शिक परीक्षा के प्राप्तांकों को समक के रूप में प्रयुक्त किया गया।

**संख्यिकीय तकनीकी का प्रयोग --** एकत्र किए गए आंकडों को मध्यमान ,माध्यिका तथा टी-टेस्ट की मदद से विश्लेशण किया गया हैं।

**परिकल्पना 01**

माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्तर के छात्र–छात्राओं के आत्मविश्वास में छेत्रीयता के आधार पर सार्थक अन्तर नही है।

**तालिका संख्या – 01**

| चर | समूह | कुल संख्या | मध्यमान | मानक विचलन | टी अनुपात | स्वतंत्रता का अंश | सार्थकता |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| आत्मविश्वास | ग्रामीण | 230 | 25.70 | 6.998 | .601 | 447 | .548 |
| | शहरी | 219 | 25.32 | 6.541 | | | |

माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र छात्राओं का छेत्रीयता के आधार पर उनके आत्मविश्वास का तुलनात्मक अध्ययन करने हेतु टी परीक्षण का प्रयोग किया गया। तालिका संख्या 4.09 के अवलोकन से ज्ञात होता है, कि माध्यमिक तथा उच्च माध्यमिक स्तर के छात्र–छात्राओं के आत्मविश्वास **t [447] =.601, p=.548]** को लेकर दोनों समूहों के मध्य सार्थक अंतर नही है। दोनों समूहों के मध्यमानो की तुलना करने पर ग्रामीण विद्यार्थियों का मध्यमान **(¼ M = 25.70, SD = 6.998)** असार्थक रूप से शहरी विद्यार्थियों के मध्यमान ( **M = 25.32, SD = 6.541**) से अधिक पाया गया।

**परिकल्पना 02**

माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्तर के छात्र–छात्राओं की **सामाजिक परिपक्वता** में वर्ग के आधार पर सार्थक अन्तर नही है।

**तालिका संख्या – 02**

| चर | समूह | कुल संख्या | मध्यमान | मानक विचलन | टी अनुपात | स्वतंत्रता का अंश | सार्थकता |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सामाजिक परिपक्वता | कला | 220 | 32.92 | 6.204 | -3.642 | 447 | .000 |
| | विज्ञान | 229 | 35.44 | 8.282 | | | |

माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र छात्राओं का वर्ग के आधार पर उनकी **सामाजिक परिपक्वता** का तुलनात्मक अध्ययन करने हेतु टी परीक्षण का प्रयोग किया गया। तालिका संख्या 4.13 के अवलोकन से ज्ञात होता है, कि माध्यमिक तथा उच्च माध्यमिक स्तर के छात्र–छात्राओं की **सामाजिक परिपक्वता t [447] =-3.642, p=.000]** को लेकर दोनों समूहों के मध्य सार्थक अंतर है। दोनों समूहों के मध्यमानो की तुलना करने पर विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों का मध्यमान **(¼ M = 35.44, SD = 8.282**) सार्थक रूप से कला वर्ग के विद्यार्थियों के मध्यमान **(¼ M = 32.92, SD = 6.204)** से अधिक पाया गया।

## निष्कर्ष

1.उपयुक्त विश्लेषण से ज्ञात होता है की पूर्व में बनायी गयी शून्य परिकल्पना माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्तर के छात्र–छात्राओं के आत्मविश्वास में छेत्रीयता के आधार पर सार्थक अन्तर नही है, स्वीकृत की जाती है, तथा यह निष्कर्ष प्राप्त किया जाता है कि छेत्रीयता के आधार पर छात्र–छात्राओं के आत्मविश्वास में अंतर नही होता

है। दोनों समूहों के मध्यमानो की तुलना से ज्ञात होता है कि छात्रों एवं छात्राओं का आत्मविश्वास लगभग समान है।

**2.** उपयुक्त विश्लेषण से ज्ञात होता है की पूर्व में बनायी गयी शून्य परिकल्पना माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्तर के छात्र–छात्राओं की सामाजिक परिपक्वता में वर्ग के आधार पर सार्थक अन्तर नही है, अस्वीकृत की जाती है, तथा यह निष्कर्ष प्राप्त किया जाता है कि वर्ग के आधार पर छात्र–छात्राओं की सामाजिक परिपक्वता में अंतर होता है। दोनों समूहों के मध्यमानो की तुलना से ज्ञात होता है कि विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों का आत्मविश्वास कला वर्ग के विद्यार्थियों की सामाजिक परिपक्वता से अधिक है।

## संदर्भ ग्रंथ सूची


- अग्निहोत्री, डा0 रेखा मैनुअल फार अग्निहोत्री सेल्फ कान्फीडेन्स इनवेन्ट्री (A.S.C.I) 1989.
- अग्रवाल, डा0 गोपाल कृष्ण, सामाजिक नियन्त्रण एवं परिवर्तन, आगरा, आगरा बुक स्टोर, 1994
- गुप्ता, डा0 बी0एन0, सांख्यिकी, साहित्य भवन पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्रा0लि0 2000
- डा0 आर0 ए0 शर्मा शिक्षा के दार्शनिक एवां मूल आधार, आर0 लाल बुक डिपो ।
- बच्चों की प्रतिभा कैसे उभारें वी0 एस पब्लिशर्स।
- अरूण कुमार सिंह मनोविज्ञान समाज शास्त्र तथा शिक्षा में शोध विधियॉ 2015
- सी0 आर0 कोठारी एवं गौरव गर्ग अनुसंधान पद्धति के तरिके और तकनीक 2014